संयुक्त व्यापार परिषद बैठक में भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी का अभिभाषण

मिंस्क, बेलारूस : 04.06.2015

बेलारूस के गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति, एलेक्जेंडर लुकाशेन्को,

व शष्ट व्यापार प्रतिनि धगण,

दे वयो और सज्जनो,

मुझे भारत और बेलारूस के प्रमुख व्यापार प्रतिनि धयों कीसभा को संबो धत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

2. व्यापार, निवेश और आ र्थक सहयोग समसामयिक भारत-बेलारूस संबंधों का एक सबसे महत्वपूर्ण आयाम है। जब हम अपने द् वपक्षीय संबंध को आगे बढ़ाना चाहते हैं तब हमारे व्यापार समुदाय ही हैं जिनमें इन संबंधों को रूपांतरित करने और उर्जावान बनाने की अत्य धक क्षमता है।

3. मुझे प्रसन्नता है क आज यहां भारत का एक वशाल व्यापार शष्टमंडल उपस्थित है। वे ऊर्जा,परामर्श सेवाओं,स्वास्थ्य देखभाल,रसायन, उर्वरक, सूचना प्रौद्यो गकी,अवसंरचना,दैनिक उपयोगी सेवाओं एवं नवीकरणीय ऊर्जा, वनिर्माण और दवा निर्माण जैसे अनेक क्षेत्रों का प्रतिनि धत्व करते हैं। मुझे यह देखकर प्रसन्नता हुई क उनके साथ व्यापार और उद्योग का प्रतिनि धत्व करने वाले बेलारूस के बहुत से व्यवसायी शा मल हैं।

मत्रो,

4. भारत और बेलारूस का परस्पर लाभकारी मैत्री और बहुआयामी सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। हमारा राजनीतिक संवाद निय मत और ठोस है। हमारे संबंधों का एक उल्लेखनीय पहलू अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर हमारे देशों के बीच बेहतर समझ तथा संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुस्तरीय मंचों पर एक दूसरे का सहयोग रहा है। हमने आ र्थक और व्यापार संबंधों,रक्षा सहयोग तथा वैज्ञानिक और प्रौद्यो गकी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लए श्रेष्ठ संस्थागत तंत्र स्था पत कए हैं। हमने साझे हित के अनेक क्षेत्रों में आवश्यक सक्षमकारी करारों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर कए हैं तथा मेरी यात्रा के दौरान कुछ और पर हस्ताक्षर कए गए हैं। हमारे सांस्कृतिक संबंध तथा हमारे लोगों के बीच संपर्क मजबूत हैं। हमारे संबंधों को बढ़ावा देने के लए हमारे दोनों देशों में व्यापक उत्साहजनक सहयोग है। मेरी यात्रा से बेलारूस के साथ हमारी साझीदारी को सुदृढ़ करने में भारत की गहरी रू च प्रद र्शत होती है।

5.जैसा क आपको वदित है भारत वश्व की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है तथा वगत कुछ दशकों के दौरान7प्रतिशत से अ धक औसत वा षक वकास दर के साथ एक सबसे तेजी से उभरता हुआ बाजार है। ऐसे सकारात्मक संकेत हैं जिनसे पता चलता है क हम और ऊंचे वकास दर के पथ की ओर बढ़ रहे हैं।

6.समेकन उपायों ने हमारी राजस्व स्थिति को सुधारा है, कीमतों में गरावट आई है, हमारा वनिर्माण क्षेत्र पुनरुत्थान के शुरुआती स्तर पर है तथा कृ ष वकास मजबूत बना हुआ है,भारतीय अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लए घरेलू और वदेशी दोनों निवेशों को तेज करने के उद्देश्य वाले उपाय तथा वृहत आ थक तत्वों की मजबूती दोनों साथ-साथ जारी हैं। वशेषकर अवसंरचना क्षेत्र में,परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर नये सरे से जोर भी दिया जा रहा है।

7.मेरी कल राष्ट्रपति लुकाशेन्को के साथ शानदार बातचीत हुई थी। हमारी बातचीत से मुझे वश्वास हो गया है क अपने द् वपक्षीय संबंधों के वस्तार के लए हमारा उत्साह और आकांक्षा एक समान है। द् वपक्षीय सहयोग को और तेज करने के वचार से,हमने भारत-बेलारूस साझीदारी पर अत्यंत ठोस और केंद्रित खाका जारी कया है। मुझे वश्वास है क यह आपने देखा होगा क खाके में व्यापक रूप से आ थक,व्यापार,निवेश और प्रौद्यो गकी साझीदारियों पर ध्यान दिया गया है।

दे वयो और सज्जनो,

8.हमारी द् वपक्षीय व्यापार की मात्रा कम है और अपनी वास्त वक क्षमता से नीचे है। मैं आशान्वित हूं और राष्ट्रपति लुकाशेन्को के साथ मेरी बातचीत से मुझे यह उम्मीद जागी है क हम अपने व्यापार को वर्ष2020तक 1बि लयन अमरीकी डॉलर के स्तर तक बढ़ा सकते हैं। मुझे वश्वास है क यदि हम अपनी व्यापार मात्रा की मदों में वस्तार करें,उच्च प्रौद्यो गकी मूल्य संव र्धत उत्पादों और हिस्सों को बढ़ाएं तथा स्वास्थ्य देखभाल,सूचना प्रौद्यो गकी, वत्तीय सेवाएं,परिवहन और संभार जैसे सेवा क्षेत्र में आदान-प्रदान और सहयोग को बढाएं, तो इस स्तर को प्राप्त कया जा सकता है।

9.व्यापार को सुगम बनाने के लए दोनों सरकारें गुणवत्ता नियंत्रण,संगरोध,सामान प्रमाणीकरण और मानकीकरण तथा सीमा शुल्क की औपचारिकताओं के सरलीकरण में सहयोग तेज करने के लए उत्सुक हैं। हम कसी भी प्रकार की मौजूदा व्यापार बाधाओं को दूर करने तथा व्यापार में कसी नए बाधा की उत्पत्ति से बचने के लए द् वपक्षीय तथा भारत-यूरे शयन आ थक संघ के बीच प्रस्ता वत साझीदारी के संदर्भ में मलकर कार्य करेंगे। इस संबंध में,मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है क भारत ने बेलारूस को'बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा' प्रदान करने का निर्णय

लया है। यह हमारे द् वपक्षीय व्यापार को बढ़ाने तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार ढांचे में बेलारूस के और अ धक एकीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम होगा।

10.परंतु, जब सरकारें सु वधा प्रदान करने संबंधी उपाय का कार्यान्वयन कर रही हैं,तब दोनों पक्ष के व्यवसाय इस प्र क्रया में पूरे मन से भागीदारी करें तो व्यापार में बढ़ोतरी हो सकती है। मैं भारत और बेलारूस की कंपनियों से आग्रह करता हूं क वे दोनों क्रमश: दोनों देशों में आयोजित व्यापार मेलों तथा राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय प्रदर्शनियों में अपनी भागीदारी को बढ़ाएं। कंपनियों को भी दोनों सरकारों की अंतरराष्ट्रीय नि वदाओं में और अ धक स क्रयता से भागीदारी करनी चाहिए। क्यों क दोनों ओर की सरकारी एजें सयां इसके कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लए सूचनाओं के आदान-प्रदान को बढ़ा रही हैं।

मत्रो,

11.भारत-बेलारूस संबंधों के खाके में हमारे भावी सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों की स्पष्ट पहचान की गई है। इनमें परंपरागत और लघु पैमाने पर वद्युत उत्पादन,नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा,धातुकर्म और खनन,रक्षा, वाहन और कृ ष इंजीनियरी,दवा निर्माण,वस्त्र निर्माण,कृ ष और खाद्य प्रसंस्करण शा मल हैं। ये सभी क्षेत्र निवेश के अच्छे अवसर प्रस्तुत करते हैं। वास्तव में,यह पूर्ण सूची नहीं है बल्कि सांकेतिक है जिसमें सहयोग की तात्का लक और आशाजनक संभावनाएं हैं। मुझे यह सू चत करते हुए भी प्रसन्नता हो रही है क भारत परस्पर तय कए गए क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लए बेलारूस को100 म लयन अमरिकी डॉलर का ऋण प्रदान करेगा।

12.भारत और बेलारूस दोनों दिशाओं में वदेशी प्रत्यक्ष निवेश बढ़ाने के लए इस प्रकार से स क्रय रूप से सहायक वा णज्यिक और निवेश मंच सहित सभी संभा वत उपाय करने के लए प्रतिबद्ध हैं। भारत और बेलारूस के बीच संयुक्त उद्यम,यूरे शयन - आ र्थक संघ के वशाल बाजार के ढांचे में और अ धक आकर्षक बन सकते हैं।

13.अ धक व्यापार और निवेश प्रवाह के लए आवश्यक सहायक तत्वों के निर्माण के लए,हम वत्तीय क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने तथा द् वपक्षीय परियोजनाओं के वत्त पोषण,व्यापार और संयुक्त परियोजनाओं के वत्त पोषण तथा निर्यात सहयोग और बीमा उपलब्ध करवाने के लए आवश्यक वत्तीय साधन मुहैया करवाना चाहते हैं। जहां तक संभव होगा,हम इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय वत्तीय संगठनों के साथ मलकर कार्य करेंगे।

14.चूं क बेलारूस और भारत दोनों वैज्ञानिक और प्रौद्यो गकीय अनुसंधान की परंपरा वाले देश हैं इस लए यदि नवान्वेषण और उद्य मता की ताकतें अनुसंधान की हमारी मौजूदा खूबियों के साथ

मल जाएं तो इन क्षेत्रों में हमारी द् वपक्षीय साझीदारी अत्य धक लाभकारी हो सकती है। इस लए मैं यहां उपस्थित कंपनियों और कारोबारों से आग्रह करता हूं क वे नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा,अंतरिक्ष,रसायन उद्योग, वशेष वाहनों सहित वाहन उद्योग,सूचना प्रौद्यो गकी,दूरसंचार, परिवहन, निर्माण और औद्यो गक अवसरंचना जैसे क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग के लए अवसरों की तलाश करें।

15.इसमें सहयोग के लए हमारी सरकारों को, अग्रणी अनुसंधान और वकास संस्थानों और वश्व वद्यालयों को आक र्षत करने हेतु एक अनुकूल माहौल तैयार करना चाहिए। दोनों सरकारों को नवान्वेषी परियोजनाओं, वशेषकर ऑप्टिकल,लेजर, नैनो और बायो प्रौद्यो ग कयों,इलेक्ट्रॉनिक्स तथा माइक्रोइलेक्ट्रानिक्स और यांत्रिक इंजीनियरी जैसे उच्च तकनीकी क्षेत्रों के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित और प्रेरित करने के लए यथावश्यक उपाय करने चाहिए।

16.भारत को यह जानकर प्रसन्न्नता हुई है क बेलारूस अपने 'ग्रेट स्टोन' औद्यो गक पार्क तथा 'बेलबायोग्रेड'राष्ट्रीय वैज्ञानिक और प्रौद्यो गकीय पार्क में नैनो प्रौद्यो ग कयों,जैव प्रौद्यो ग कयों,इलेक्ट्रॉनिक्स,माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स तथा यांत्रिक इंजीनियरी में भारतीय कंपनियों की अ धक सहभा गता देखने के लए तत्पर है।

17.मैं भारतीय निवेशकों को प्रोत्साहित करना चाहूंगा क वे इसपर स क्रय तौर पर वचार करें। मैं बेलारूस की कंपनियों से भी आग्रह करता हूं क वे भारतीय अर्थव्यवस्था में अपनी भागीदारी बढ़ाने के उपायों के तौर पर,भारत के अनेक औद्यो गक और प्रौद्यो गकी पार्कों में उपलब्ध निवेश और वैज्ञानिक अवसरों की तलाश करें।

18.मुझे वश्वास है क भारत और बेलारूस के बीच और अ धक आपसी कारोबार संपर्कों से भारतीय अर्थव्यवस्था के व्यापक आ र्थक अवसरों की अ धक जानकारी प्राप्त होगी तथा बेलारूस की कंपनियां भारत से जुड़ने के लए प्रोत्साहित होंगी।

19.मैं, आज आपके समक्ष अपने वचार प्रकट के लए आमंत्रित करने के लए आपका धन्यवाद करता हूं। मैं इस अवसर पर आपके प्रयासों के लए आप सभी को शुभकामनाएं भी देता हूं।

धन्यवाद!